KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997
Vol. 5/ Issue 1/ July 2022- Sept. 2022
NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

प्रतिबिम्ब
(NEWS LETTER)
कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

प्राचार्या की कलम से

भारतीय प्राचीन ग्रंथ ज्ञान की अनुपम ज्योति से आप्लावित हैं। महा उपनिषद में वर्णित ''वसुधैव कुटुंबकम्'', वसुधा , इव और कुटुंबकम् से भी विनिर्मित है अर्थात यह संपूर्ण पृथ्वी एक विस्तारित परिवार है । हितोपदेश तथा भारत के अन्य साहित्यकारों द्वारा भी इस पावन भावना की उत्कृष्टता के कारण अक्सर इसे संदर्भित किया जाता है । हमारी सामाजिक व्यवस्था के साथ-साथ लोकाचार और सांस्कृतिक मूल्यों के ताने-बाने इसी अवधारणात्मक वाक्यांश के इर्द-गिर्द बुने गए हैं।

महाविद्यालय परिवार में इस प्राचीन भारतीय सुविचार को पूर्ण रूप से आत्मसात किया गया है और इसकी मूल भावना का सम्मान करने का सर्वदा प्रयास किया जाता है। प्राध्यापकों व कर्मचारी वर्ग के साथ-साथ छात्राओं की विभिन्न समस्याओं का निराकरण संपूर्ण महाविद्यालय परिवार द्वारा आपसी सामंजस्य और मनोयोग से किया जाता है। इसके पीछे महिला सशक्तिकरण का पावन उद्देश्य भी निहित है, क्योंकि महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप यह सर्वमान्य है कि महिलाओं को सशक्त किए बिना परिवार, देश व समाज को सशक्त नहीं किया जा सकता। अतः महाविद्यालय का हर संभव प्रयास रहता है कि अपने कुटुंब की भांति देश की आधी आबादी महिलाओं को अज्ञान से मुक्त कर प्रकाश की ओर प्रेरित करने, उनके कर्तव्यों और अधिकारों की रक्षा कर उन्हें शक्तिशाली बनाकर समाज और देश के प्रति अपना ऋण पूर्ण कर सकने योग्य बना सके।

शुभकामनाएं -

प्रो (डॉ.) दिव्या नाथ

सम्पादिका की कलम से

''प्रतिबिंब'' अपने उद्भव के चार वर्ष पूर्ण कर पंचम सत्र का संस्पर्श कर रहा है। वर्तमान प्राचार्य डा० दिव्या नाथ के पदभार के साथ ही उनकी प्रेरणा से सृजित प्रतिबिंब आज अपने नवीन कलेवर में सुशोभित है। महाविद्यालय की प्रत्येक इकाई के अंदर निहित सुकोमल बीज रूपी सृजनात्मक संभावनाओं को पहचान कर उन्हें सकारात्मक वातावरण के माध्यम से सींच कर पुष्पित होने का अवसर प्रदान करने वाली, परिवर्तन के साथ सुव्यवस्था और सुव्यवस्था के साथ परिवर्तन ही विकास का सर्वश्रेष्ठ रूप है इस सिद्धांत की अनुगामी महाविद्यालय की कर्मठ, नवोन्मेष प्रिय और दूरदर्शी प्राचार्या जी के मार्गदर्शन में महाविद्यालय प्रत्येक क्षेत्र में अपना सर्वोत्तम प्रस्फुटन कर रहा है , जिसमें महाविद्यालय के रजत जयंती महोत्सव के साथ-साथ विभिन्न समितियों एवं विभागों के तत्वावधान में आयोजित अनेकानेक छात्रा हित धारक गतिविधियां सम्मिलित हैं। प्रस्फुटन का यह क्रम निरंतर गतिमान है, जिसकी सतरंगी आभा प्रतिबिंब के वर्तमान में परिलक्षित हो रही है ।

सरस्वती नमस्तुभ्यं, वरदे कामरूपिणी ।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा।

इन भावों को हृदय में धारण कर मां सरस्वती को नमन करते हुए प्रतिबिंब का यह अंक आप सभी को समर्पित है ।

प्रो (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी

वृक्षारोपण जन आंदोलन का आयोजन

दिनांक 5 जुलाई 2022 को महाविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण जन आंदोलन 2022 के अंतर्गत पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने के उद्देश्य से ग्राम बादलपुर में 500 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना समिति एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आम ,अमरूद, नींबू, नीम, पीपल, जामुन आदि के पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ रश्मि कुमारी,डॉ आशा रानी, राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ शिल्पी, डॉ नेहा त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई डॉ विनीता सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी द्वितीय इकाई डॉ नीलम शर्मा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के सभी सदस्य एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक और राष्ट्रीय सेवा योजना समिति की स्वयंसेवी छात्राएं, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।

शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

महाविद्यालय के जंतु विभाग द्वारा दिनांक 20 जुलाई 2022 को एक्सटेंशन एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान एम० एस सी० की छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण हेतु ITS डेंटल कॉलेज मुरादनगर ,गाजियाबाद ले जाया गया । कॉलेज के तकनीकी विभाग के पदाधिकारियों ने सभी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। छात्राओं को तकनीकी दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों का भ्रमण करवाया गया। साथ ही मेडिकल के क्षेत्र में हो रहे नए इन्वेंशंस के बारे में भी बताया । कॉलेज में चल रहे प्रोजेक्ट्स से सम्बंधित जानकारी छात्राओं को दी गयी एवं किस प्रकार से विद्यार्थी अपने आइडियाज को इन्वेंशन का प्रारूप दे सकते हैं तथा उसके लिए वित्तीय सहायता के क्या माध्यम हैं, इस बारे में भी अतिमहत्त्वपूर्ण जानकारियां साझा की गयी। भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ तथा जंतु विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा के दिशानिर्देशन में वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ० सुरेंद्र कुमार एवं श्रीमती नीतू सिंह द्वारा संपन्न करवाया गया। भ्रमण में शामिल छात्राओं ने अपने अनुभवों को कक्षा में अन्य छात्राओं के साथ साझा किया एवं विभाग ने इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करने हेतु छात्राओं को आश्वस्त किया।

महाविद्यालय में रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन

कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती समारोह का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक माननीय प्रो० (डॉ०) अमित भारद्वाज उपस्थित रहे। उनके अतिरिक्त इस महाविद्यालय की अनवरत प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देने वाले सम्मानित पूर्व प्राचार्य, पूर्व एवं वर्तमान क्षेत्राधिकारी, सेवानिवृत प्राध्यापक, अन्य महाविद्यालयों में स्थानांतरित प्राध्यापक एवं विशिष्ट उपलब्धिलब्ध पुरातन छात्राओं ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हो कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण से किया गया तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रो० (डॉ०) अमित भारद्वाज जी एवं तत्कालीन निदेशक उच्च शिक्षा डॉ शिव शंकर सिंह का स्वागत पादप एवं उत्तरीय भेंट कर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी द्वारा किया गया। उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत पादप एवं उत्तरीय के द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि महाविद्यालय निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर होता हुआ आज अपना रजत जयंती समारोह मना रहा है। इस महाविद्यालय की प्रगति में अपना अमूल्य सहयोग देने वाले और आज इस समारोह में उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाने वाले सभी का मैं हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करती हूँ। कार्यक्रम को गति प्रदान करते हुए महाविद्यालय की छात्राओं ने डॉ बबली अरुण के निर्देशन में अत्यंत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध करते हुए अत्यंत ही उल्लास एवं आनंदपूरित कर दिया। तत्पश्चात सम्मानित पूर्व प्राचार्यों ने इस महाविद्यालय से जुड़ी अपनी अविस्मरणीय स्मृतियों एवं अनुभवों को साझा किया। साथ ही महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाली पुरातन छात्राओं ने अपनी प्रगति का सम्पूर्ण श्रेय इस महाविद्यालय और यहाँ के सभी प्राध्यापकों को दिया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो अमित भारद्वाज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय के रजत जयंती समारोह में उपस्थित होकर अत्यंत हर्षित हूँ। महाविद्यालय का निरीक्षण एवं संपूर्ण प्रगति का अवलोकन कर मुझे यह विदित हुआ कि क्यों यह महाविद्यालय राजकीय महाविद्यालयों में सर्वोत्तम स्थान पर है। इसके लिए मैं सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। सभी ने समारोह की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ रश्मि कुमारी एवं डॉ श्वेता सिंह ने किया। समारोह में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक अत्यंत हर्ष उल्लास सहित उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्धनगर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के उपलक्ष्य में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी की अध्यक्षता में नैक, बैंगलुरु के सौजन्य से दिनांक 06 अगस्त 2022 को भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता संवर्धन : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एच. एस. सिंह, वाइस चांसलर मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय, बुलंदशहर के द्वारा मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की पुनीत शुरुआत हुई। महाविद्यालय की ओजस्वी प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी के द्वारा कार्यक्रम के गणमान्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ताओं के हेतु स्वागत भाषण दिया गया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक प्रो. डॉ. दिनेश चंद शर्मा ने सेमिनार के विषय पर सूक्ष्म प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा को साझा किया। तकनीकी सत्र के विशिष्ट वक्ता प्रो. हरे कृष्णा, सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति ने भारतीय शिक्षा नीति 2020 के मूल सिद्धांत एवं उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर लागू हुई इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका को व्यक्त किया। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. भारत भूषण ,डायरेक्टर स्टूडेंट अफेयर्स IGNOU, दिल्ली ने राष्ट्रीय सेमिनार के उक्त विषय पर बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह शिक्षा नीति तत्कालीन समाज में प्रासंगिक है तथा भविष्य में अधिकाधिक विद्यार्थी रोजगार उन्मुख होकर देश की तरक्की में मील के पत्थर साबित होंगे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के कई दोषों को यह शिक्षा नीति दूर करने में सक्षम होगा। प्रथम तकनीकी सत्र के द्वितीय चरण में डॉ. बनवारी, डॉ. हृदयेश आर्य ,डॉ.दीपक कुमार शर्मा एवं डॉ. लाल सिंह ने विषयानुकूल व सारगर्भित शोध पत्र प्रस्तुत किऐ। उक्त सत्र के आखिरी चरण में मुख्य अतिथि प्रो. एच.एस.सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्रीय सेमिनार के गुणवत्तापूर्ण आयोजन की अनुशंसा करते हुए महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने की शुभकामना दी। इसी क्रम में नई शिक्षा नीति 2020 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन होने से शिक्षा में त्वरित विकास व सुधार की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र के समापन के क्रम में राष्ट्रीय सेमिनार की संयोजक प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता एवं रिपोर्ट लेखन आयोजन सचिव डॉ. शिल्पी द्वारा किया गया।द्वितीय सत्र के प्रथम चरण में ऑनलाइन माध्यम से 25 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा सुव्यवस्थित एवं उत्तम शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तकनीकी सत्र के आखिरी चरण में कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. रुचि त्रिपाठी, असिस्टेंट एडवाइजर नैक, बंगलुरु ने राष्ट्रीय सेमिनार के विषय विमर्श की प्रासंगिकता एवं भविष्य में भी इसी प्रकार के सेमिनार के औचित्य को महत्व देते हुए भारतीय शिक्षा पद्धति में नई शिक्षा नीति की भूमिका की भी संक्षिप्त व्याख्या की।द्वितीय तकनीकी सत्र के द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेमिनार की आयोजन सचिव डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम की विशद आख्या प्रस्तुत की गई।

सत्र को समापन की ओर ले जाते हुए आयोजन सचिव डॉ. अरविंद यादव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ऑनलाइन तकनीकी सत्र का सफल संचालन आयोजन सचिव डॉ. किशोर कुमार एवं रिपोर्ट लेखन डॉ. विनीता सिंह द्वारा किया गया। प्रस्तुत राष्ट्रीय सेमिनार महाविद्यालय के सभी सदस्यों के अथक एवम् अनवरत प्रयास से अपने उद्देश्यों को पूर्ण करता हुआ फलीभूत हुआ। भविष्य में भी छात्राओं के हित में इस प्रकार के औचित्यपूर्ण तथा प्रासंगिक कार्यक्रम पुनः कराने में कृत संकल्प महाविद्यालय नवीन आयामों के पथ पर अग्रसरित रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व का भव्य आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 15 अगस्त 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव , देश के वीर शहीदों को समर्पित , 76 वाँ स्वतंत्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से आयोजित किया गया । तिरंगे की रोशनी में अनुपम छटा बिखेरते एवं गुलाब से महकते महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के स्वर एवं वन्दे मातरम् की धुन ने फिजाओं को देशभक्ति से गुंजायमान कर दिया। प्रो. (डॉ.)दिनेश चंद शर्मा द्वारा माननीय शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा का संदेश वाचन किया गया। प्राचार्या महोदया ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि 15 अगस्त हम सबको वीर शहीदों की शौर्यगाथा को याद दिलाने वाला पावन पर्व है। भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने कार्यों एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करें, यही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा विभिन्न देशभक्ति गीत , नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुति की गयी। डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में झण्डा गीत एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। डॉ. निधि रायजादा एवं डॉ. जीत सिंह द्वारा गुमनाम शहीदों एवं तिरंगे के रंगों की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला गया । डॉ. रश्मि कुमारी एवं डॉ. रमाकांति ने कर्णप्रिय देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में तिरंगा रैली निकाली गई । आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में महाविद्यालय तिरंगी रोशनी से जगमगा रहा था।समारोह के अंत में समस्त उपस्थितजनों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

जंतु विज्ञान विभाग द्वारा प्रसार व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के तत्वावधान में दिनांक 23 अगस्त 2022 को प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। ''बायोलॉजिकल डिसास्टर्स '' शीर्षक पर आधारित व्याख्यान की मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० रीना रस्तौगी, प्रवक्ता वनस्पति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय , गजरौला ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा ,जंतु विज्ञान विभाग के द्वारा पादप भेंट स्वरुप प्रदान कर मुख्य वक्ता का स्वागत किया गया। व्याख्यान के दौरान वर्तमान समय में उक्त शीर्षक की उपयोगिता के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। पूर्व में घटित घटनाओं , कोविड एवं भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीतू सिंह , प्रवक्ता , जंतु विज्ञान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं द्वारा सक्रिय भागीदारी प्रदर्शित की गयी। व्याख्यान के अंत में डॉ० सुरेंद्र कुमार, एसो . प्रो०, जंतु विज्ञान द्वारा मुख्य वक्ता का वर्तमान परिदृश्य से सम्बंधित इस महत्त्वपूर्ण एवं बहुआयामी व्याख्यान प्रस्तुत करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। प्रसार व्याख्यान के दौरान विज्ञान संकाय के समस्त प्रवक्ता तथा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे तथा कार्यकम में बी० एस सी० एवं एम० एस सी० की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनाँक 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में खो– खो व बैडमिंटन प्रतियोगिता तथा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय खेल दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को मनाया जाता है। इसे महान हॉकी के खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है।ध्यानचंद जी ने भारत की हॉकी को पूरे विश्व में प्रसिद्ध कराया था। उन्होंने अपना उच्च प्रदर्शन दिखा कर भारत को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया था।भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी के द्वारा पहचान इन्होंने ही दिलाई।इनकी प्रतिभा को सम्मानित करने के लिए ही भारत इनके जन्मदिवस को खेल दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा खेल दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय खेल दिवस का महत्व असीम है। यह आयोजन केवल इस दिन का जश्न मनाने के लिए नहीं है बल्कि देश भर में खेलों और खेलों की भावना को जागृत करने का आयोजन है । उत्सव का मतलब है कि इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालना और खेल के प्रति छात्राओं का ध्यान आकर्षित करना। इस तरह के दिवस युवा ऊर्जा को मान्यता देते हैं और विभिन्न खेलों के विषय में जागरूकता पैदा करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

महाविद्यालय में प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ के अध्यक्षता एवं संरक्षण में 1 सितंबर 2022 से 7 सितम्बर 2022 तक गृह विज्ञान विभाग द्वारा '' राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'' के परिपेक्ष्य में व्यापक स्तर पर बहुद्देश्यीय कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। छात्राओं के हित में एवं उनके ज्ञानावर्धन हेतु इस साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रत्येक दिवस में निम्नलिखित विशेष आयोजन किए गए – प्रथम दिन भोजन में उपस्थित पोषण के ज्ञान एवं उद्यमिता के विकास हेतु छात्राओं द्वारा ''फूड स्टाल'' लगाए गए जिसमे कॉलेज के सभी प्राध्यापक एवं छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। द्वितीय दिन ''पोस्टर प्रदर्शन'' के माध्यम से अपने भावों को रंगो से व्यक्त किया जिसका शीर्षक था '' Significance of Breast Feeding'', इसी क्रम में तृतीय दिन 'सलाद सज्जा प्रतियोगिता'', चतुर्थ दिन छात्राओ के मानसिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के लिए एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। पंचम दिवस'' सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम'' के अंतर्गत बादलपुर ग्राम में छात्राओं द्वारा पोषण संबंधी जानकारी विस्तारित की गई। उक्त पोषण सप्ताह के अंतिम दिन ''नुक्कड़ नाटक'' का आयोजन किया गया जिसमें पोषण के महत्व की प्रासंगिकता को दृष्टि में रखा गया। पोषण सप्ताह 2022 के द्वारा निश्चित रूप से ही छात्राये लाभान्वित हई। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा के साथ श्रीमती शिल्पी, श्रीमती नीलम एवं श्रीमती माधुरी का विशेष योगदान रहा।

शिक्षक दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में शिक्षक–शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 5 सितंबर 2022 को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया । महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो (डॉ) दिव्या नाथ ने माँ सरस्वती एवं राधाकृष्णन जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बी. एड. विभाग की छात्राओं द्वारा प्राचार्य एवं विभिन्न संकाय के सभी शिक्षकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्या प्रो० डा० दिव्यानाथ ने छात्राओं को बताया कि समाज में शिक्षक का स्थान सबसे ऊपर होता है और एक शिक्षक को अपनी आदर्श भूमिका निभाने के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर छात्राओं ने गुरू की महिमा का वर्णन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंत में डा० रमाकान्ति ने प्राचार्य तथा उपस्थित सभी प्राध्यापकों व छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षक पर्व पर विविध कार्यक्रम

बी. एड. विभाग द्वारा दिनांक 6 सितंबर 2022 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका '' विषय पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य प्रो० दिव्यानाथ, डॉ जीत सिंह, डॉ नीरज कुमार, डॉ दीपक शर्मा, डॉ नितिन त्यागी तथा अन्य प्राध्यापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कॉलेज की प्राचार्य महोदया द्वारा डॉ. राधाकृष्णन जी के शैक्षिक विचारों एवम वर्तमान में शिक्षक की भूमिका पर महत्वपूर्ण उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ० नितिन द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शिक्षक पर्व के आयोजन के क्रम मे दिनांक 07 सितम्बर 2022 को शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा महान शिक्षकों के साहित्य का वाचन किया गया, जिसके अंतर्गत विभाग के शिक्षकों के निर्देशन में छात्राओं द्वारा महान शिक्षकों द्वारा रचित साहित्य का वाचन किया गया। स्वामी विवेकानन्द, डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन, रवींद्रनाथ टैगोर, गिजूभाई वधेका, डॉ० ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तथा अन्य शिक्षकों की रचनाओं की सूची तैयार की गयी एवं उनका पाठ करने हेतु छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। बी.एड. विभाग द्वारा महाविद्यालय की सभी छात्राओं हेतु दिनांक 8 सितम्बर 2022 को शैक्षिक फिल्म "तारे जमीं पर" का प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। फिल्म प्रदर्शन के पश्चात एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। छात्राओं ने फिल्म से मिली सीख का वर्णन किया तथा इसे स्वयं के व्यवहार में उतारने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा धन्यवाद दिया गया तथा अन्य शैक्षिक फिल्मों को आगे भी दिखाते रहने का अनुरोध किया गया। दिनांक 9 सितम्बर 2022 को बी. एड. विभाग द्वारा विषय "राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो०(डा०) प्रबोध श्रीवास्तव, प्राचार्य, भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी, कौशाम्बी उपस्थित रहे।उन्होंने अपने व्याख्यान द्वारा भावी शिक्षक के स्वरूप और उत्तरदायित्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं का मार्गदर्शन किया और बताया कि शिक्षक, समाज का सबसे मजबूत पिलर है।उन्होंने बताया कि हमें नहीं भूलना चाहिए कि एक विद्यार्थी के लिए उसका शिक्षक आदर्श होता है और वह हमेशा अपने शिक्षक के जैसा बनना चाहता है और इस प्रकार शिक्षक समाज की दिशा तय करता है अतः शिक्षक की भूमिका दोहरी होती है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ मूल्यों का बोध करवाना भी हमारा दायित्व है। इस कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापकों तथा छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर इसे सफल बनाया। अंत में विभाग प्रभारी श्री दीपक कुमार द्वारा मुख्य अतिथि एवं सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उपर्युक्त समस्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में संपन्न किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 08 सितम्बर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ सोनम शर्मा द्वारा व्यक्तित्व के विकास में शिक्षा की बहुआयामी भूमिका विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। डॉ सोनम द्वारा बताया गया कि व्यक्तित्व के विकास में मुख्य रूप से हेरेडिटी एवं वातावरण का प्रभाव पड़ता है।शिक्षा विद्यार्थी के जीवन को परोक्ष एवं अपरोक्ष दोनों ही तरह से प्रभावित करती है। महाविद्यालयी शिक्षा जहाँ एक ओर उन्नति के नवीन अवसर प्रदान करती है, वही दूसरी ओर व्यक्तित्व उन्नयन में सहायक होती है। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।कार्यक्रम में डॉ माधुरी पाल, डॉ नीलम यादव,डॉ रमाकांती, डॉ ज्ञानेंद्र कुमार ,डॉ सतीश चंद एवं डॉ कनकलता उपस्थित रही। उल्लेखनीय है कि देश में राष्ट्रीय स्तर पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके आलोक में महाविद्यालय में भी नियमित रूप से छात्राओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिससे कि छात्राएं अपने देश के गौरवपूर्ण इतिहास एवं प्राच्य ज्ञान से सुपरिचित हो सके तथा इस महान देश की नागरिक होने का गौरव अनुभव कर सके ।

विराट कवि सम्मेलन का आयोजन

दिनांक 14 सितंबर 2022 को महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के सुअवसर पर हिंदी विभाग के सौजन्य से विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण से किया गया। संगीत विभागाध्यक्ष डॉ० बबली अरुण ने सुमधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात सम्मेलन में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कविगणों श्री राज कौशिक जी, डॉ० सतीश वर्धन जी एवं श्री सुनेहरी लाल तुरंत जी का स्वागत माल्यार्पण एवं उत्तरीय के द्वारा किया गया। इस सुअवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं हेतु स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मंचासीन प्रख्यात कवियों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी द्वारा की गई। सर्वप्रथम विख्यात कवि श्री राज कौशिक जी ने हिंदी की महत्ता पर काव्य पाठ करते हुए कहा कि–'हमारे बोल लेखन का श्रृंगार है हिंदी, हमारे आप के सबके गले का हार है हिंदी, हर त्यौहार की शुभकामना हिंदी में ही देना, दिवाली ईद क्रिसमस से बड़ा त्यौहार है हिंदी' ।

तत्पश्चात कवि डॉ० सतीश वर्धन जी ने गुरु महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी कविता में कहा–'' गुरु बिन ज्ञान नही, मिले कहीं मान नहीं, हमे ऐसा ध्यान रहना चाहिए, हमे अंधकार से ले गए प्रकाश में, भानु जैसे ऐसे गुरुओं का मान होना चाहिये, गुरुग्रंथ बाइबिल ने बताया है, गुरूओं का आदर सम्मान होना चाहिए, जीवन मे माता पिता और गुरूओं का, देवों से भी ऊपर स्थान होना चाहिए।''

इसी क्रम में काव्य प्रवाह को आगे बढ़ाते हुए हास्यवतार कविवर श्री सुनहरी लाल वर्मा तुरंत जी ने बेटियों को समर्पित कविता प्रस्तुत करते हुए कहा कि –

'' शायरों की गजल सी हैं ये बेटियां, खूबसूरत कमल सी हैं ये बेटियां, इनको वो प्यार दो जो कहीं ना मिला, घर के आंगन की तुलसी हैं ये बेटियां।''

सम्मेलन में सभी कविगणों ने अपनी काव्य धारा से सभी के हृदयों को आह्लादित किया। हिंदी विभाग प्रभारी डॉ० रश्मि कुमारी जी एवं डॉ० जीत सिंह जी ने भी अपने काव्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए अपने काव्यपाठ से सबको आनंदित किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी हमारा गौरव है, हिन्दी हमारी मातृभाषा है, मात्र एक भाषा नहीं। उन्होंने हिंदी के गौरव को काव्य रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा– '' अपनेपन की चली हवा, हिंदी के श्रृंगार से, हिंदी के स्वर बुला रहें है, सात समंदर पर से।''

अंत में सभी सम्माननीय अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। प्रो० (डॉ०) दीप्ति वाजपेयी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कवि सम्मेलन के आयोजन में डॉ रश्मि कुमारी, डॉ जीत सिंह, डॉ० नीरज कुमार और डॉ० मिन्तु का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रायें एवं समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे एवं सभी ने समारोह की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

विश्व ओजोन दिवस

महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के तत्त्वाधान में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन दिनांक 16 सितंबर 2022 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन तत्कालीन थीम ''ग्लोबल कोऑपरेशन प्रोटेक्टिंग लाइफ ऑन अर्थ'' पर आधारित था । कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ० सुरेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रो०, जंतु विज्ञान द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्राचार्या महोदया को भेंट स्वरुप पादप प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम की संचालिका डॉ० नेहा त्रिपाठी, प्रवक्ता रसायन विज्ञान द्वारा ओजोन दिवस के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। श्रीमती नीतू सिंह, प्रवक्ता, जंतु विज्ञान द्वारा ''लाइवस्टॉक फार्मिंग'' द्वारा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन एवं उसके ओजोन सतह के क्षरण में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष योगदान को विस्तारपूर्वक आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। एम० एससी० की छात्रा प्रगति सिंह ने मोंट्रियल प्रोटोकॉल 22 , सृष्टि ने ओजोन क्षरण के कारण मनुष्य में होने वाली विभिन्न बीमारियों एवं साक्षी नागर ने ओजोन सतह के क्षरण को कम करने में जनमानस की भूमिका पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने विचार रखे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्या महोदया द्वारा कार्यक्रम के दौरान उठाये गए बिंदुओं को सारगर्भित बताया गया, साथ ही बताया कि कैसे महाविद्यालय वृक्षारोपण के माध्यम से अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। आयोजन की अंतिम कड़ी में डॉ० ऋचा, प्रवक्ता भौतिक विज्ञान द्वारा मुख्य अतिथि , उपस्थित प्रवक्ताओं एवं छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान संकाय के समस्त प्रवक्ता एवं प्रो० (डॉ०) दीप्ति वाजपेयी, डॉ० नीरज, डॉ० जीत सिंह, डॉ० कनक, डॉ० सोनम, डॉ० आजाद आलम, श्रीमती हेमलता आदि उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का सफल समापन

16 सितम्बर 2022 को बादलपुर स्थित राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज परिसर में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ शिखा रानी के निर्देशन में संस्कृत गीत, भाषण और श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के 26 विद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। एकल गीत प्रतियोगिता में 88 छात्र – छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमे प्रथम स्थान दुर्गा भारतीय आदर्श वैदिक बालिका इंटर कालेज तिलपता, द्वितीय स्थान शुभम भारतीय आदर्श इंटर कालेज तिलपता का रहा । भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा भाटी कु मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर द्वितीय स्थान शिवांगी मोहिले कु मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्धनगर का रहा ।श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रामजी पाण्डेय तथा द्वितीय स्थान पर भगवान दास शर्मा रहे। समस्त प्रतियोगिताओं में 110 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि प्रो. दिव्या नाथ, विशिष्टातिथि डॉ एम एल यादव राजकीय महाविद्यालय जहांगीराबाद, सारस्वतातिथि प्रो डॉ दीप्ति वाजपेयी, मेरठ प्रान्त उपाध्यक्षा डॉ अर्चना आर्य इत्यादि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जनपद संयोजिका शिखा रानी असिस्टेंट प्रोफेसर कु०मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्धनगर ने किया तथा डॉ नीलम शर्मा, डॉ कनक लता, श्रीमती रश्मि चौधरी , सुरक्षा आर्या, गीतिका अग्रवाल अनुपम मंजरी आदि शिक्षिकाओं का अत्यंत सहयोग रहा ।

विश्वकर्मा जयंती का आयोजन

दिनांक 17 सितंबर 2022 को महाविद्यालय में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ दिव्या नाथ ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य एवं उपस्थित प्राध्यापकगण द्वारा भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राध्यापिका श्रीमती नेहा त्रिपाठी के द्वारा भगवान विश्वकर्मा के विषय में छात्राओं का ज्ञान वर्धन किया गया एवं उनकी पूजा के महत्व के विषय में प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात प्राचार्य महोदय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं को उनकी संस्कृति एवं परंपराओं के विषय में जानकारी मिलने के साथ–साथ उनमें संस्कारों का भी प्रादुर्भाव होता है अतः ऐसे कार्यक्रमों का निश्चित रूप से आयोजन किया जाना चाहिए । अंत में डॉ. ऋचा के द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में दिनाँक 21 सितम्बर 2022 को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय प्रवर्तन करते हुए इतिहास विभाग प्रभारी डॉ आशा रानी ने मानवता की रक्षा हेतु विश्व शांति की आवश्यकता को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता के रूप में विभागीय प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह ने विश्व शांति एवं सौहार्द के उद्देश्य हेतु नस्लभेद की समाप्ति पर बल दिया एवं भारतीय सांस्कृतिक परम्परा एवं इतिहास के परिप्रेक्ष्य में शांति एवं अहिंसा के महत्व पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। साथ ही समकालीन चुनौतियों एवं मुद्दो के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय शांति की महत्ता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में पहले राष्ट्र संघ एवं उसके पश्चात संयुक्त राष्ट्र के समक्ष आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करते हुए अंतरराष्ट्रीय शांति के उद्देश्य हेतु संयुक्त राष्ट्र में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग प्रभारी डॉ आशा रानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापक डॉ अनीता सिंह एवं श्री बसंत कुमार सहित महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा अध्यापक पुनःकौशल प्रकोष्ठ (Teacher Re-Skilling Cell) के तत्वावधान में महाविद्यालय में दिनांक 20 सितंबर 2022 को डिजिटल युग में अकादमिक एवं शोध पहचान (Academic & Research Identity in the Digital Era) विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ कार्यशाला संयोजिका एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर दीप्ति वाजपेयी द्वारा प्राचार्या प्रोफेसर दिव्या नाथ और मुख्य–वक्ता प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा जी के स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यशाला के विषयगत महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रकार की अकादमिक पहचान आज शैक्षिक जगत की आवश्यकता बनती जा रही है और प्रत्येक प्राध्यापक को अपनी डिजिटल आईडेंटिटी के विषय में जागरूकता रखनी चाहिए, इसी उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता ने वर्तमान युग में अध्यापकों की अकादमिक एवं शोध पहचान बनाने के लिए उपलब्ध विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ORCID, Google Scholar, Scopus, SSRN, ResearchGate, VIDWAN, SLIDE SHARE, U- P- Higher Education Digital Library आदि डिजिटल मंचों के उपयोग पर प्रकाश डाला एवं अपने अनुभव साझा किए। तत्पश्चात प्राचार्या प्रोफेसर दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में पम्परागत और आधुनिक अकादमिक एवं शोध माध्यमों से सम्बंधित अपने उद्बोधन में वर्तमान युग में डिजिटल आईडेंटिटी के महत्व एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला । डॉ अरविंद कुमार यादव द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यशाला में आयोजन समिति के सदस्य डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ शिल्पी, डॉ मीनाक्षी लोहनी डॉ सत्यंत कुमार व श्री दीपक शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का सजीव प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल के माध्यम से किया गया। कार्यशाला अपने उद्देश्यों में सफल रही ।

विज्ञान , वाणिज्य एवं व्यवसायिक अध्ययन संकाय की नवप्रवेशित छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम

महाविद्यालय में बी० एस सी०, बी० कॉम० एवं बी० वॉक० के प्रथम वर्ष में सत्र 2022–23 में नवप्रवेशित छात्राओं हेतु दिनांक 22 सितम्बर 2022 को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या एवं संरक्षक प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी का स्वागत पादप के माध्यम से जंतु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा द्वारा किया गया। आयोजन की संचालिका श्रीमती नीतू सिंह, (प्रवक्ता जंतु विज्ञान) प्रभारी बी एस० सी० प्रवेश समिति द्वारा सर्वप्रथम उपस्थित प्रवक्ताओं एवं छात्राओं का स्वागत किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के बारे में विस्तारपूर्वक सरल व स्पष्ट रूप से बिन्दुबार बताया गया जैसे महाविद्यालय की वेबसाइट, पुस्तकालय, विभिन्न समितियों तथा उनसे सम्बंधित प्राध्यापक, महाविद्यालय में संचालित समस्त सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ, स्किल कोर्स, यूनिफार्म, आई० कार्ड० एवं सत्रोपरांत छात्राओं द्वारा किये जाने वाले शैक्षणिक कार्य आदि। जंतु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा द्वारा उपस्थित छात्राओं को सम्बोधित करते हुए नई शिक्षा नीति एवं ऑनलाइन स्किल कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। बी० कॉम० के विभागाध्यक्ष डॉ० अरविन्द यादव ने अपने वक्तव्य के माध्यम से विभागीय विशेषताओं एवं सत्र के दौरान विभागीय कार्यों से छात्राओं को अवगत करवाया। बी० वॉक० के विभागाध्यक्ष डॉ० आजाद आलम ने स्लाइड शो के माध्यम से विभाग में होने वाली विभिन्न गतिविधियों को दर्शाया। आयोजन के अंतिम चरण में प्राचार्या महोदया ने उपस्थित छात्राओं को सम्बोधित कर अनुशासित शैली अपनाने का आह्वान किया, साथ ही नियमित उपस्थिति पर विशेष बल देते हुए सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन के समापन अवसर पर डॉ० अरविन्द यादव द्वारा प्राचार्या महोदया, महाविद्यालय प्राध्यापकों एवं समस्त छात्राओं का कार्यक्रम में शामिल होने हेतु आभार व्यक्त किया गया। उपर्युक्त अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान बी० एस सी०, बी० कॉम० एवं बी० वॉक० के समस्त संकाय सदस्य साथ ही प्रो० (डॉ०) दीप्ति वाजपेयी, प्रो० (डॉ०) शिवानी वर्मा तथा डॉ० शिल्पी उपस्थित रहे एवं छात्राओं को महाविद्यालय परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी।

कला संकाय में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के कला संकाय में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के संरक्षण एवम् अध्यक्षता में बी. ए. प्रथम वर्ष की प्रवेश समिति के तत्वावधान में दिनाँक 23 सितम्बर 2022 को सत्र 2022–23 के स्नातक (कला) स्तर की नव प्रवेशित छात्राओं के लिए बहुद्देशीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न समिति , संसाधन, प्रबंधन, NEP पाठ्यक्रम की शैक्षिक प्रणाली, रोजगार काउन्सलिंग, छात्रवृत्ति व्यवस्था, एवम् अन्य महाविद्यालय सुविधाओ के विषय में छात्राओं को परिचित कराया गया । इसी क्रम में महाविद्यालय की प्रवेश समिति की प्रभारी प्रो.(डॉ) शिवानी वर्मा के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवम् परीक्षा प्रणाली के मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाला गया । मुख्य शास्ता मंडल की सह प्रभारी प्रो. (डॉ.) आशा रानी द्वारा अनुशासन व्यवस्था ,कॉलेज ड्रेस कोड, एंटी रैगिंग पर प्रकाश डाला गया । साहित्यिक सांस्कृतिक समिति की प्रभारी प्रो.(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी ने साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की विभिन्न गतिविधियों व क्रियाकलापों से छात्राओं को अवगत कराया । विभागीय परिषद की प्रभारी डॉ.जूही बिरला द्वारा वर्ष भर चलने वाले विभागीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों तथा युवा महोत्सव के विषय में बताया गया । छात्रवृत्ति समिति के प्रभारी डॉ. कनक कुमार द्वारा छात्रवृत्ति हेतु अनिवार्य 75% उपस्थिति, आधार कार्ड से जुड़ा हुआ बैंक अकाउंट की अनिवार्यता एवं अन्य कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। महाविद्यालय में चलने वाले विभिन्न ऑफलाईन स्किल कोर्स , ऑन लाईन स्किल कोर्स तथा NCC के विषय में डॉ. मीनाक्षी लोहानी एवम् राष्ट्रीय सेवा योजना के विषय में डॉ.नीलम शर्मा एवं डॉ.विनीता सिंह द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यूपी अबेकस पोर्टल पर छात्राओं के पंजीकरण के संदर्भ में डॉ.कनकलता द्वारा पोर्टल पर लॉगिन करने एवं दस्तावेज अपलोड करने संबंधी जानकारी दी गई । कार्यक्रम को गतिमान रखते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा छात्राओं के कई जिज्ञासु प्रश्नों का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में महाविद्यालय की आदरणीय प्राचार्या प्रो.(डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब, रेमेडियल कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग, करियर कॉउंसलिंग, एवम् मेन्टरिंग व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी । कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता सिंह एवम् धन्यवाद ज्ञापन प्रो.(डॉ) जीत सिंह के द्वारा किया गया । छात्राओं के हित में आयोजित कार्यक्रम अपने ध्येय में सफल रहा , जिसमें समिति के सभी सदस्यों डॉ. माधुरी पाल, डॉ. रंजना उपाध्याय ,सुश्री अनीता का अमूल्य योगदान रहा ।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस का आयोजन

दिनांक 24 सितंबर 2022 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस का धूमधाम से आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर 1969 को की गई थी । इसी क्रम में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस 24 सितंबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी इकाई– 1 डॉ विनीता सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी इकाई – 2 डॉ नीलम शर्मा के निर्देशन में महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण के प्रति उनके उत्तरदायित्व के प्रति सजग करते हुए महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य लक्ष्य आदि की जानकारी प्रदान करने के लिए व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीप्ति बाजपेयी द्वारा विस्तृत रूप से छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के ध्येय वाक्य, उद्देश्य और लक्ष्यों से सुपरिचित कराया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्येय वाक्य है– Not me,but You अर्थात् मैं नहीं तुम । राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं से पहले दूसरे के कल्याण की भावना सिखाता है । डॉ विनीता सिंह ने स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका के विषय में अपने विचार व्यक्त किए तत्पश्चात डॉ नीलम शर्मा ने छात्राओं को सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हुए उनके नागरिक एवं सामाजिक कर्तव्यों के विषय में अवगत कराया तथा छात्राओं में होने वाले नेतृत्व गुणों के विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ रश्मि कुमारी के सानिध्य में संपन्न हुआ ।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ शिल्पी, डॉ नेहा त्रिपाठी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीता सिंह एवं डॉ नीलम शर्मा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सदस्य डॉ सीमा देवी , डॉ विजेता गौतम, डॉ नीलम यादव, डॉ कनकलता एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

संस्कृत सम्भाषण शिविर व संस्कृत सप्ताह का सफल आयोजन

कु मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में प्राचार्या प्रो. (डॉ)दिव्या नाथ की अध्यक्षता में दिनांक 20 सितंबर से दिनांक 01 अक्टूबर तक संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख यज्ञ के माध्यम से हुआ । तत्पश्चात प्रतिदिन छात्राओं को संस्कृत संभाषण का अभ्यास कराया गया। संस्कृतसप्ताह के अन्तर्गत श्लोक, गीत, प्रश्नोत्तरी व नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई व प्रशिक्षिका डॉ शिखा रानी ने छात्राओं को संस्कृत बोलना सिखाया तथा शिविर का संयोजन व संचालन किया । दिनांक 01अक्टूबर 2022 को संस्कृत सप्ताह व संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन कार्यक्रम का सफल आयोजन विभागाध्यक्षा डॉ दीप्ति वाजपेयी के कुशल निर्देशन में किया गया । समापन समारोह में सर्वप्रथम प्राचार्य महोदया तथा डॉ एम एल यादव , डॉ दिनेश चंद शर्मा द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख पुष्प अर्पित किए।

तत्पश्चात प्रो.(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया । इसके उपरांत शिविर छात्राओं द्वारा गीत, नाटिका , भाषण, नृत्य आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अंत में कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ. एम०एल० यादव ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से छात्राओं को लाभान्वित किया तथा प्राचार्या महोदया ने अपने उद्बोधन से छात्राओं को संस्कृत के प्रति प्रेरित किया एवं छात्राओं द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी की अत्यंत प्रशंसा की तथा कार्यक्रम के अन्त में डॉ नीलम शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया । डॉ. कनकलता का भी कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा । समापन समारोह में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों की उपस्थिति सराहनीय रही ।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ एवं वी. वाक् के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2022 तक One Week FDP का आयोजन किया गया । जिसका विषय था "Professional Development and Motivation of Young Staff "। जिसके प्रथम दिन डॉ. अरविन्द कुमार यादव द्वारा विभिन्न शासनदेशों, अकादमिक, प्रोन्नति संबंधी, सेवा संबंधी एवं अवकाश नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला । द्वितीय दिवस पर डॉ राजीव नयन, प्रो. रामानुजम कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय ने विभिन्न शोध परियोजनाओं, उनके वित्त पोषण, अनुदान देने वाली विभिन्न संस्थाओं आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की। एफ.डी.पी के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय संबद्ध आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज के प्रोफेसर डॉ यशेश्वर द्वारा शिक्षा में सूचना व संप्रेषण तकनीकी के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि पर प्रकाश डाला और विभिन्न शैक्षणिक डिजिटल प्लेटफार्म से सभी को अवगत कराया । संकाय संवर्धन कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर प्रो. (डॉ)प्रीति बजाज , कुलपति गलगोटिया यूनिवर्सिटी के द्वारा प्रतिभागियों को Naac मूल्यांकन की प्रक्रिया, विभिन्न पहलुओं तथा Naac मूल्यांकन में उत्तम प्रदर्शन करने के विभिन्न उपायों और तकनीकियों से प्रतिभागी प्राध्यापकों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के पांचवे दिन प्रो० प्रभात मित्तल, सत्यवती कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता रहे। प्रो ० प्रभात ने रिसर्च गाइडलाइन और प्लेग्रिजम् पॉलिसी के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की किसी हस्तलिपि को अच्छे जनरल मे कैसे प्रकाशित कराये, संदर्भ सूची के लिए कौन से रिसर्च टूल प्रयोग करे। संवर्धन कार्यक्रम के अंतिम दिन व्याख्यान के बाद सभी प्रतिभागियों के लिए एक बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र मे प्रतिभागियों के बनाये गए चार ग्रुप मे से एक सदस्य द्वारा दिये गए टॉपिक्स पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। ग्रुप A मे डा ० अनुपम स्वामी, ग्रुप B मे डॉ० ममता उपाध्याय, ग्रुप C से डा० संजीव कुमार व ग्रुप D से श्रीमती नीतू सिंह द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया । द्वितीय सत्र में वेलेडिक्टरी सत्र का आयोजन किया गया । तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० डॉ० दिव्या नाथ के द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किये गये तथा अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। संकाय संवर्धन कार्यक्रम के अंत में संपूर्ण FDP की आख्या प्रोग्राम डायरेक्टर प्रो. दिनेश चंद शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई । विभिन्न दिवसों में हुए विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान का सार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने FDP के लक्ष्यों और परिणामों पर भी प्रकाश डाला। तत्पश्चात प्राचार्य महोदया द्वारा संवर्धन कार्यक्रम की संपूर्ण आयोजन समिति को इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए प्रशंसा की गई तथा प्रतिभागियों से FDP में प्राप्त विभिन्न विषयों के ज्ञान को अपने अकादमिक उन्नति हेतु प्रयुक्त करने का आह्वान किया गया और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई। अंत में कार्यक्रम संयोजिका एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो० डॉ० दीप्ति वाजपेयी द्वारा कार्यक्रम की सफलता का श्रेय प्राचार्य प्रो दिव्या नाथ को देते हुए सभी का आभार ज्ञापन किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

नवोन्मेष एवं नवाचार समिति के तत्वावधान में विविध कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय में अखिल भारतीय तकनीकी अनुसंधान परिषद (AICTE) एवम् मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त सौजन्य से प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में महाविद्यालय की इनोवेशन समिति के तत्त्वावधान में युवा छात्राओं को नए विचारों और प्रक्रियाओं के लिए प्रोत्साहित करने, प्रेरित करने और उनका पोषण करने के उद्देश्य से प्रभाव व्याख्यानमाला के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से दिनांक 11 जुलाई 2022 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान दो सत्रों में विभाजित किया गया, प्रथम सत्र में इंटरप्रेनोर्शिप रिसर्च विषय पर श्री सौरभ कुमार, जनरल मैनेजर तकनीकी बिजनेस इन्नोवेशन, KIET ने विशिष्ट व्याख्यान दियास उन्होंने अनुसंधान और विकास के संपूर्ण सिद्धांतों की व्याख्या की तथा नवाचार की नई प्रक्रियाओं को लागू कर के व्यवसाय के तरीकों में और नए विचार विकसित करने के माध्यम को स्पष्ट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यन्त कुमार द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर(डॉ) शिवानी वर्मा द्वारा किया गया । व्याख्यानमाला के द्वितीय सत्र में ऑनलाइन माध्यम से विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य वक्ता श्री आशीष थोम्ब्रे, अध्यक्ष, इंट्रेप्रेन्यूरशिप सेंटर,KIET रहे, जिन्होंने 'Ideas Are One Thing But Execution is Everything' थीम & Design Thinking and Critical Thinking पर व्याख्यान दिया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का डिजाइन थिंकिंग में उपयोग को उन्होंने बखूबी समझाते हुए किसी भी परियोजना के संबंध में उच्च विचार का संप्रेषण, अवलोकन, मूल्यांकन सैद्धांतिक पक्षों पर भी प्रकाश डाला । व्यवसायिक शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा में सामंजस्य स्थापित करते हुए नवीन विचारों को क्रियात्मक रूप देने के कई तथ्यों से भी व्यावहारिक रूप से अवगत कराया । इसी के साथ छात्राओं के कई प्रश्नों के समाधान करते हुए इनोवेशन हेतु उन्हें नवीन विचारों की अवधारणा विकसित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यंत कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ कनक लता द्वारा किया गया। दिनांक 20 जुलाई 2022 को एक दिवसीय क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) का आयोजन किया गया। यह क्षेत्र भ्रमण मुरादनगर गाजियाबाद के इनोवेशन सेंटर TBI KIET मे किया गया जिसमें छात्राओं ने इनोवेशन सेंटर के विभिन्न संसाधनों ,माध्यमों एवं विधियों की जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में छात्रों ने यह भी सीखा के किस प्रकार अपने विचारों को व्यवसाय के क्रम में मूर्त रूप दिया जा सकता है। क्षेत्र भ्रमण में महाविद्यालय के 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी यूनिवर्सिटी लखनऊ में दिनांक 29 अगस्त 2022 को महाविद्यालय की इनोवेशन काउंसिल के सहअध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.)अनीता सिंह द्वारा क्षेत्रीय स्तर की इनोवेशन काउंसिल मीटिंग में प्रतिभागिता की गई। उपर्युक्त सभी कार्यक्रम प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में डॉ दिनेश चंद शर्मा, डॉ अनीता सिंह , डॉ शिवानी वर्मा व समिति के सभी सदस्यों के सहयोग के फलस्वरूप संपन्न किए गए ।

आजादी का अमृत महोत्सव

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें दिनांक 1 सितंबर से 7 सितंबर 2022 तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग के सौजन्य से खाद्य वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाकर छात्राओं को संतुलित आहार, कुपोषण एवं पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई । 5 सितंबर 2022 को बीएड संकाय के तत्वावधान में बीएड की छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन कर शिक्षकों का सम्मान किया गया एवं जीवन में शिक्षा, शिक्षण व शिक्षक के महत्व को रेखांकित किया गया। 8 सितंबर 2022 को 'अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस' के अवसर पर शिक्षा शास्त्र विभाग के द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन कर व्यक्तित्व के विकास में शिक्षा की बहुआयामी भूमिका पर चर्चा की गई।

13 सितंबर 2022 को इतिहास विभाग द्वारा ' जतिन दास शहीदी दिवस' के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन कर क्रांतिकारी नायक के रूप में जतिन दास की भूमिका से छात्राओं को परिचित कराया गया।

14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग के सौजन्य से व्यापक कवि सम्मेलन का आयोजन कर संस्कृति के विकास में मातृभाषा के योगदान एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के विकास की अपरिहार्यता पर जोर दिया गया।

16 सितंबर 2022 को विज्ञान संकाय द्वारा ' ओजोन दिवस' के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

17 सितंबर 2022 को 'विश्वकर्मा जयंती' के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन कर विज्ञान संकाय के द्वारा राष्ट्र निर्माण में अभियांत्रिकी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

24 सितंबर 2022 को समाज के प्रति दायित्व बोध के लिए एनएसएस की दोनों इकाइयों के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

25 सितंबर 2022 को ' पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती' के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से छात्राओं एवं भूतपूर्व छात्राओं के लिए शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था– '' वैश्वीकरण के दौर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मानव वादी दर्शन की प्रासंगिकता। 27 सितंबर 2022 को '' विश्व पर्यटन दिवस' के अवसर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम केंद्र के सौजन्य से भारत के विभिन्न राज्यों की वेशभूषा एवं पर्यटन महत्व पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुमारी आकांक्षा नागर, एम. ए . द्वितीय वर्ष ,राजनीति विज्ञान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 29 सितंबर, 2022 को व्यवसायिक शिक्षण केंद्र के द्वारा 'विश्व हृदय दिवस' के अवसर पर हृदय रोगों से बचाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन विभाग के प्राध्यापकों द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की प्रभारी डॉ. ममता उपाध्याय के निर्देशन मे आवंटित कार्य योजना के अनुसार किया गया । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंतता एवं गुरुता प्रदान की।

मिशन शक्ति के विविध कार्यक्रम

महाविद्यालय की मिशन शक्ति समिति के तत्वावधान में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में 11 जुलाई 2022 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय ''परिवार की उन्नति में स्त्रियों की भूमिका'' था। इस अवसर पर डॉ .रमाकांति के द्वारा छात्राओं को परिवार के विकास के लिए महिलाओं के कर्तव्यों तथा उनकी अहम भूमिका के विषय में जानकारी प्रदान की गई । मिशन शक्ति प्रभारी डॉ निधि रायजादा ने इस अवसर पर छात्राओं को परिवार के विकास में उनकी अहम भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। 13 जुलाई 2022 को शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार के नेतृत्व में एक योगशाला का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया । 16 जुलाई 2022 को महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में योग और नेचुरोपैथी पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। 6 अगस्त 2022 को महिला प्रकोष्ठ एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसके अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता तथा छात्राओं हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान बी.एड. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रमा के द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने छात्राओं को बालक, बालिकाओं हेतु स्तनपान के महत्व पर प्रकाश डाला। 15 अगस्त 2022 को महाविद्यालय की छात्राओं और उनके अभिभावकों को बालिका सुरक्षा शपथ दिलाई गई। साथ ही देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों को छात्राओं ने बड़े ही मनमोहक ढंग से सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। 26 अगस्त 2022 को महिला समानता दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की सदस्य श्रीमती पवन कुमारी के द्वारा महिलाओं में उद्यमिता का विकास विषय पर छात्राओं हेतु एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई ।इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी श्री धीरज कुमार के निर्देशन में अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 06 अगस्त 2022 को महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया।जिसमें संगोष्ठी तथा एक प्रश्नोत्तर मंच फोरम का आयोजन किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. निधि रायजादा ने स्तनपान के महत्व एवं आवश्यकता की जानकारी दी और बताया कि मां का दूध बच्चे के लिए पहले प्राकृतिक टीके की भाँति कार्य करता है और इसे प्राप्त करना हर बच्चे का प्राकृतिक अधिकार है। उन्होंने बताया कि समाज में महिलाएं जागरूकता के अभाव में स्तनपान को अधिक महत्व नही देती हैं जबकि स्तनपान से बच्चे का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। इसके साथ ही स्तनपान ना करवाने से होने वाले स्तन कैंसर के बारे में भी चर्चा की गई। छात्राओं ने भी प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की बी०ए०, बी०एस सी०, एम०ए० तथा बी. वॉक . की छात्राएँ एवं महिला प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं। यह सभी कार्यक्रम डॉ निधि रायजादा, मिशन शक्ति प्रभारी के नेतृत्व तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ जी के निर्देशन में आयोजित किए गए।

कला भारती द्वारा महाविद्यालय प्राचार्या एवं प्राध्यापकों का सम्मान

महाविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कवि सम्मेलन में साहित्यिक संस्था कला भारती द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो०(डॉ०) दिव्या नाथ को उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्यों और महाविद्यालय को उत्कृष्टता को नवीन ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । इस क्रम में कला भारती संस्था द्वारा महाविद्यालय की हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ० रश्मि कुमारी, संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ० दीप्ति वाजपेयी, जंतु विभाग प्राध्यापक डॉ० सुरेंद्र कुमार, हिंदी विभाग के प्राध्यापकों डॉ० जीत सिंह , डॉ० नीरज कुमार, डॉ० मिंतू को साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के दृष्टिगत सम्मानित किया गया। इस क्रम में सभी को प्रशस्तिपत्र प्रदान किए गए एवं माल्यार्पण द्वारा मान वर्धन किया गया ।

स्किल कोर्स हेतु समझौता ज्ञापन

महाविद्यालय में संचालित कौशल विकास पाठ्यक्रम आयुर्वेदिक उपचर्या एवं पंचकर्म चिकित्सा के प्रयोगात्मक पक्ष के कुशल संचालन हेतु महाविद्यालय के संस्कृत विभाग और ईशान आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एंड रिसर्च, गौतम बुद्ध नगर के मध्य दिनांक 01 सितंबर 2022 को MoU पर हस्ताक्षर किए गए । इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से आयुर्वेदिक उपचर्या एवं पंचकर्म चिकित्सा विषयक कौशल विकास पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाली छात्राएं उपर्युक्त मेडिकल इंस्टीट्यूट में विषय से संबंधित प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्राप्त कर पाएगी, जिसके माध्यम से उन्हें पंचकर्म चिकित्सा का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा और भविष्य में वे इसे रोजगार के रूप में चयनित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम रख सकती है । इस समझौता ज्ञापन को संपन्न कराने में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ का महत्वपूर्ण योगदान रहा एवं ये MoU संस्कृत विभाग के प्राध्यापकों तथा कौशल विकास पाठ्यक्रम कॉर्डिनेटर डॉ दीप्ति वाजपेयी के प्रयासों के फलस्वरूप संपन्न हुआ ।

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि
कु. काजल नागर , एम.ए. प्रथम वर्ष
कु. प्रमिला, बी. एड. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा

KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997
Vol. 5/ Issue 1/ July 2022- Sept. 2022